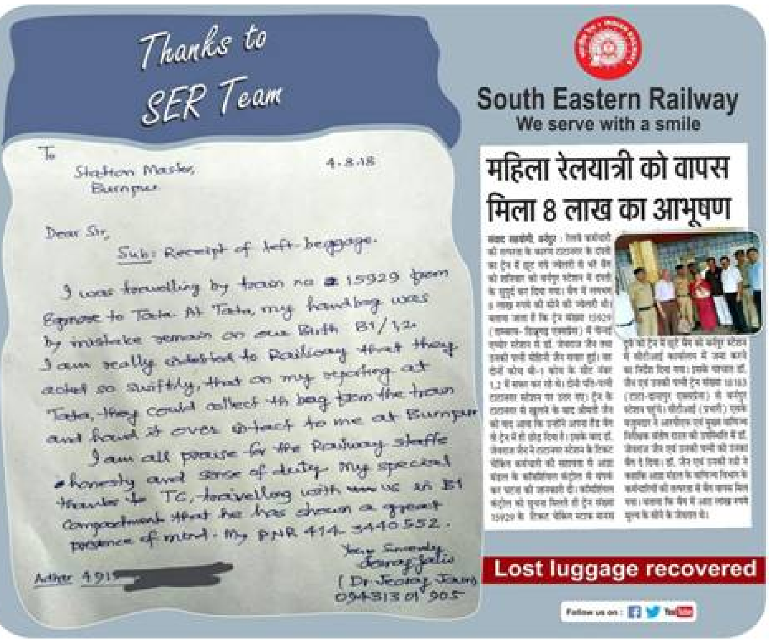

Thanks to
SER Team

To
Station Master,
Burnpur

4.8.18

Dear Sir,

Sub: Receipt of left-baggage.

I was travelling by train no 15929 from Egmore to Tata. At Tata, my handbag was by mistake remain on our Birth B1/1,2. I am really indebted to Railway that they acted so swiftly, that on my reporting at Tata, they could collect th bag from the train and hand it over intact to me at Burnpur

I am all praise for the Railway staffs honesty and sense of duty. My special thanks to TC, travelling with us in B1 compartment that he has shown a great presence of mind. My PNR 414-3440552.

Your Sincerely
Jevraj Jain
(Dr. Jevraj Jain)
09431301905

Adhar 491[redacted]

South Eastern Railway
We serve with a smile

महिला रेलयात्री को वापस मिला 8 लाख का आभूषण

Lost luggage recovered

Follow us on :

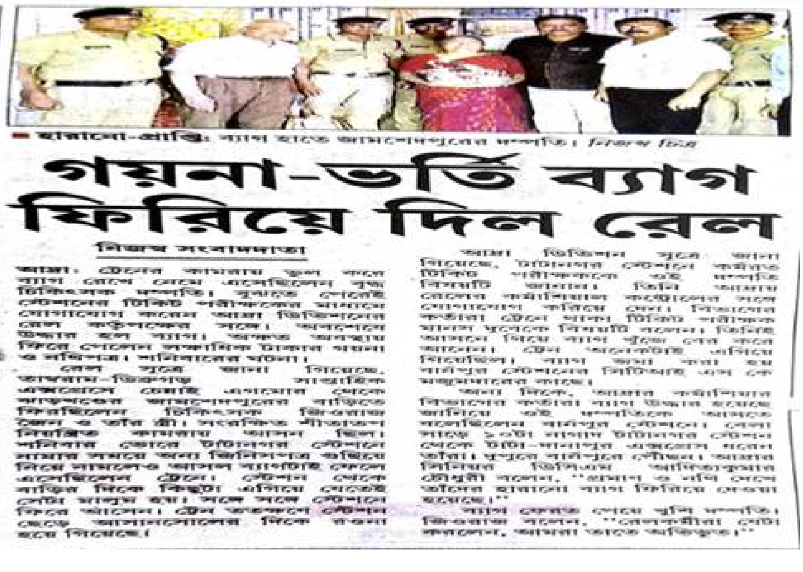

গয়না-ভর্তি ব্যাগ ফিরিয়ে দিল রেল

নিজস্ব সংবাদদাতা

महिला रेलयात्री को वापस मिला 8 लाख का आभूषण

यात्री का बैग लौटाते जवान • जागरण

संवाद सहयोगी, बर्नपुर : रेलवे कर्मचारी की तत्परता के कारण टाटानगर के दंपती का ट्रेन में छूट गये ज्वेलरी से भरे बैग को शनिवार को बर्नपुर स्टेशन में दंपती के सुपुर्द कर दिया गया। बैग में लगभग 8 लाख रुपये की सोने की ज्वेलरी थी। बताया जाता है कि ट्रेन संख्या 15929 (ताम्बरम- डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस) में चेन्नई एग्मोर स्टेशन से डॉ. जेवराज जैन तथा उनकी पत्नी मोहिनी जैन सवार हुई। वह दोनों कोच बी-1 कोच के सीट नंबर 1,2 में सफर कर रहे थे। दोनो पति-पत्नी टाटानगर स्टेशन पर उतर गए। ट्रेन के टाटानगर से खुलने के बाद श्रीमती जैन को याद आया कि उन्होंने अपना हैंड बैग तो ट्रेन में ही छोड़ दिया है। इसके बाद डॉ. जेवराज जैन ने टाटानगर स्टेशन के टिकट चेकिंग कर्मचारी की सहायता से आद्रा मंडल के कॉमर्शियल कंट्रोल से संपर्क कर घटना की जानकारी दी। कॉमर्शियल कंट्रोल को सूचना मिलते ही ट्रेन संख्या 15929 के टिकट चेकिंग स्टाफ मानस दुबे को ट्रेन में छूटे बैग को बर्नपुर स्टेशन में सीटीआई कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया गया। इसके पश्चात डॉ. जैन एवं उनकी पत्नी ट्रेन संख्या 18183 (टाटा-दानापुर एक्सप्रेस) से बर्नपुर स्टेशन पहुंचे। सीटीआई (प्रभारी) एसके मजुमदार ने आरपीएफ एवं मुख्य वाणिज्य निरीक्षक संतोष राउत की उपस्थिति में डॉ. जेवराज जैन एवं उनकी पत्नी को उनका बैग दे दिया। डॉ. जैन एवं उनकी स्त्री ने कहाकि आद्रा मंडल के वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों की तत्परता से बैग वापस मिल गया। बताया कि बैग में आठ लाख रुपये मूल्य के सोने के जेवरात थे।